खबर संक्षेप

लापता मूक नाबालिग बालिका को लखनऊ से किया बरामद

शहडोल। सिंहपुर पुलिस ने मानवता और तत्परता का परिचय देते हुए पांच वर्ष पूर्व लापता हुई एक 11 वर्षीय मुक (बोल न सकने वाली) नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। यह बालिका वर्ष 2019 में ग्राम जोधपुर से अचानक लापता हो गई थी, जिसकी रिपोर्ट फरियादिया द्वारा थाना सिंहपुर में दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मुन्नालाल रहंगडाले के निर्देशन में पुलिस टीम गठित की गई थी। लगातार प्रयासों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि बालिका राजकीय बालिका संप्रेक्षण गृह, लखनऊ (उ.प्र.) में है। थाना प्रभारी ने तत्काल लखनऊ पुलिस से समन्वय स्थापित कर टीम को रवाना किया। सिंहपुर पुलिस टीम ने लखनऊ पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और बालिका को सुरक्षित बरामद किया। बाद में बालिका को विधिवत रूप से उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में सउनि अहिराज सिंह धुर्वे, आरक्षक जोगेंद्र घुरैया और महिला आरक्षक खुशबू कौशले की विशेष भूमिका रही।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर स्मरणोत्सव कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। देश भर में राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यह गीत पहली बार 1875 में प्रकाशित हुआ था। यह गीत बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा आनंदमठ में प्रकाशित किया गया था। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वे स्मरणोत्सव पर शुक्रवार 07 नवंबर को शासकीय हाई स्कूल देवरा विकास खण्ड जयसिंहनगर में प्राचार्य धनेन्द्र सिंह परिहार के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, छात्र-छात्राओं को पहले शारीरिक योगाभ्यास कराया गया, तत्पश्चात प्राचार्य ने राष्ट्रीय गीत की रचना के संबंध में छात्र-छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय गीत के योगदान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य धनेन्द्र सिंह परिहार सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ईआरओ ने बीएलओ को वितरित किये गणना पत्रक

शहडोल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 (एसआईआर) प्रारंभ किया गया। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र जैतपुर के ईआरओ श्री दीपक मंडावी ने बूथ लेवल अधिकारियो (बी.एल.ओ.) को गणना पत्रक वितरित किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह के मागर्दशन में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक शहडोल जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन किया जा रहा है। इस अवधि में प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं के निवास पर जाकर उनके नाम, पता. आयु एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन करेंगे।

विधिक सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित होगा सद्भावना मैराथन दौड़

शहडोल। न्यायधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल ने जानकारी दी है कि 9 नवम्बर से 14 नवम्बर तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 9 नवम्बर को प्रातः 8 बजे से महात्मा गांधी स्टेडियम से सद्भावना मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मैराथन दौड़ महात्मा गांधी स्टेडियम से प्रारंभ होकर गांधी चौक एवं बुढार चौक से वापस महात्मा गांधी स्टेडियम में समाप्त होगी।

शहडोल में पेंट, ड्रायफ्रूट के बाद अब कंप्यूटर घोटाला

सीईओ ब्यौहारी की डील पर उठे गंभीर सवाल

एक ही दिन में दो बिल, दो दाम, प्रशासन की पारदर्शिता पर संकट के बादल

शहडोल।

कभी 24 लीटर पेंट में 443 मजदूर और 215 मिस्त्री लगाने का कारनामा, कभी एक घंटे में 14 किलो ड्रायफ्रूट उड़ा देने वाले अफसर और अब ब्यौहारी जनपद पंचायत का कंप्यूटर घोटाला। शहडोल जिला प्रशासन की पारदर्शिता पर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जनपद पंचायत ब्यौहारी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी कल्पना यादव द्वारा रीवा की एक निजी फर्म से कुल 5 कंप्यूटरों की खरीदी लगभग 4 लाख 3 हजार रुपए में की गई है। खरीद की तारीख, फर्म, और हस्ताक्षर सभी एक जैसे हैं, लेकिन बिल दो और दाम भी अलग-अलग हैं, यही बात इस पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना रही है।

सीईओ के हस्ताक्षर से हुआ खुलासा

पहला आदेश क्रमांक 1268, दिनांक 16 अक्टूबर 2025 के अनुसार, 2 कंप्यूटर सेट खरीदे गए जिनकी कीमत 1,84,788 दिखाई गई। वहीं दूसरा आदेश क्रमांक 1269 दिनांक 16 अक्टूबर 2025 में 3 कंप्यूटर सेट 2,19,488 में खरीदे गए हैं। कुल मिलाकर यह रकम 4,04,276 बनती है, यानी प्रति कंप्यूटर लगभग 80,000 से अधिक का खर्च दर्शाया गया है। आश्चर्यजनक यह कि दोनों आदेश एक ही दिन, एक ही फर्म और एक ही अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी हुए। सामान्य बाजार दर देखें तो समान कॉन्फ़िगरेशन वाले कंप्यूटर 35,000-45,000 तक में उपलब्ध हैं। ऐसे में सीईओ द्वारा इतनी महंगी खरीदी पर सवाल उठना लाजिमी है।

पंचायत दर्पण पर दर्ज लेनदेन

यह भुगतान ई-पेमेंट प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है और पूरा डेटा पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज है। यह वह पोर्टल है, जिस पर ग्राम पंचायतों और जनपदों के सभी वित्तीय लेनदेन पारदर्शी तरीके से दर्ज होने चाहिए, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि जब ऑनलाइन सिस्टम पारदर्शिता के लिए बनाया गया था, तो कैसे एक ही दिन में दो अलग-अलग रेट के बिल अपलोड होकर पास हो गए?

यह कहते हैं खरीद प्रक्रिया के मापदंड

मध्यप्रदेश शासन के वित्तीय नियमों के अनुसार 25000 से अधिक की किसी भी खरीदी के लिए तीन दरों का कोटेशन अनिवार्य होता है। लोक खरीद प्रणाली का उपयोग प्राथमिकता से किया जाना चाहिए। टेक्निकल स्पेसिफिकेशन, आपूर्ति तिथि और निरीक्षण रिपोर्ट का रिकॉर्ड फाइल में होना चाहिए। प्रमाणित सप्लायर या एमपी ई-टेंडर पोर्टल से निविदा प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। यदि इन मापदंडों का पालन नहीं हुआ है, तो यह वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है।

क्या यह सुनियोजित सौदा था?

ब्यौहारी में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। पंचायत कर्मियों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यह पूरी खरीद योजनाबद्ध तरीके से बढ़े हुए रेट पर की गई प्रतीत होती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन ने पहले हुए पेंट और ड्रायफ्रूट घोटालों में ठोस कार्रवाई की होती, तो शायद ऐसी दुस्साहसिक डील दोहराने की हिम्मत कोई न करता।

पुराने घोटालों की यादें ताज़ा

शहडोल जिला पहले भी अजीबोगरीब सरकारी खर्चों को लेकर सुर्खियों में रहा है पेंट घोटाला: 24 लीटर पेंट के लिए 443 मजदूर और 215 मिस्त्री दिखाए गए। ड्रायफ्रूट घोटाला: एक घंटे में 14 किलो सूखे मेवे खपाने का चमत्कार। निर्माण अनियमितताएँ: कई कार्य फाइलों में पूरे, ज़मीन पर अधूरे। इन मामलों में न जांच आगे बढ़ी, न जिम्मेदारी तय हुई, अब यह कंप्यूटर घोटाला उसी परंपरा की कड़ी माना जा रहा है।

प्रशासन की साख पर सवाल

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मामले की जांच के आदेश देता है या नहीं। क्या सीईओ ब्यौहारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच होगी, या यह मामला भी पूर्व के घोटालों की तरह फाइलों में पेंट कर दबा दिया जाएगा? स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि इस पर त्वरित कार्रवाई नहीं हुई तो जनपद स्तर पर फैला भ्रष्टाचार सिंडिकेट सिस्टम का रूप ले सकता है, जहां खरीद, भुगतान और ऑडिट सब कुछ एक ही घेरे में नियंत्रित होता रहे। हालाकि इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले को एआई जनरेटेड बता दे, पूर्व में ड्राईफ्रूट मामले में जिला प्रशासन ने ऐसा ही कुछ किया था।

इनका कहना है...

आप एमेजॉन में चेक करिए और आन लाइन भी चेक करिए, आल इन वन कंप्यूटर है तो वह इतने के ही आएंगे, प्रिंटर और यूपीएस भी है, सिस्टम नहीं थे इसलिए लिए गए है।

कल्पना यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत ब्यौहारी

प्रह्लाद जी की अटूट भक्ति ने झकझोरा भक्तों का हृदय श्रीमद्भागवत कथा में नरसिंह अवतार का जीवंत वर्णन

शहडोल। नगर के बुढ़ार रोड स्थित डी सदन मैरिज गार्डन परिसर में जारी सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ में शनिवार को कथा के चौथे दिवस भक्त प्रह्लाद जी की भक्ति और भगवान नरसिंह के अवतार का मार्मिक प्रसंग सुनाया गया। कथा पंडाल श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं से सराबोर नजर आया। कथा का आयोजन चित्रकूट धाम से पधारे परम पूज्य श्री श्री 1008 स्वामी बद्दरी प्रपन्नाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में हो रहा है, जिनकी वाणी में भागवत के श्लोकों की अमृतवर्षा सुन भक्तजन भावविभोर हो उठे। कथा का संकल्प श्री चंद्रशेखर वर्मा जी द्वारा लिया गया है।

पूज्य स्वामी जी ने कहा भक्त प्रह्लाद जी की भक्ति हम सबके लिए अद्वितीय प्रेरणा है। यदि मनुष्य ने मानव देह पाकर भी भगवान का भजन और भक्ति नहीं की, तो उसका जीवन व्यर्थ है। संसार के कितने भी बड़े संकट आएं, भक्ति से विमुख नहीं होना चाहिए, क्योंकि भक्ति ही वह शक्ति है जो भगवान को अपने भक्त के आगे झुकने पर विवश कर देती है।

गुरुदेव ने आगे कहा कि प्रह्लाद जी की निष्ठा और दृढ़ विश्वास के कारण ही भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप में अवतार लेकर अपने भक्त की रक्षा की। यह प्रसंग सुनाते हुए कथा स्थल पर प्रह्लाद और भगवान नरसिंह की जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चल रही है। आयोजकों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

बांधवगढ़ के बफर जोन में बाघ का खौफ

मवेशी चराने गए ग्रामीण पर हमला, गंभीर रूप से घायल

शहडोल।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन पनपथा में एक बार फिर बाघ का आतंक लौट आया है। बांधवगढ़ का कुछ एरिया शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र से सटा हुआ है, शनिवार को मवेशी चराने गए ग्रामीण पर बाघ ने हमला कर दिया, जिसमें ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना शहडोल जिले के महादेवा पंचायत के खारी बड़ी भमरहा टोला की बताई जा रही है। घायल ग्रामीण मनोज सिंह को आनन-फानन में ब्यौहारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

अचानक झाड़ियों से निकला बाघ

जानकारी के अनुसार मनोज सिंह सुबह अपने मवेशियों को लेकर जंगल की ओर गए थे। इस दौरान झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक हमला बोल दिया। पहले उसने एक मवेशी को निशाना बनाया, और जब मनोज सिंह ने उसे बचाने की कोशिश की, तो बाघ ने उन पर भी पीछे से झपट्टा मार दिया। बाघ के हमले से मनोज सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने शोर मचाकर किसी तरह बाघ को वहां से भगाया और घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

ग्रामीणों में दहशत, सुरक्षा पर सवाल

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन स्थानीय लोगों ने विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से इलाके में बाघों की दहाड़ें सुनाई दे रही थीं, पगमार्क भी मिले थे, बावजूद इसके वन विभाग ने कोई ठोस एहतियात नहीं बरती। ग्रामीणों में अब भारी दहशत है और वे जंगल के किनारे जाने से डर रहे हैं। उन्होंने वन विभाग से बाघ को पकड़ने और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

सात बाघों की सक्रियता, वन विभाग ने मानी बात

डिप्टी रेंजर देवी दिन पटेल ने बताया कि उनके सर्किल में करीब सात बाघों की सक्रियता दर्ज की गई है, जिनमें से कुछ बाघ अक्सर ब्यौहारी क्षेत्र की ओर भटक आते हैं। उन्होंने बताया कि घटना के बाद घायल ग्रामीण को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है।

वन विभाग की सुस्ती पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों ने कहा कि यह पहला मौका नहीं है, जब बाघ इंसानी बस्तियों के करीब पहुंचा है। पिछले कुछ महीनों में कई बार बाघों को खेतों और गांवों के पास विचरण करते देखा गया है, लेकिन विभाग केवल रिपोर्ट तक सीमित रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम नहीं किए गए, तो वे सामूहिक रूप से वन विभाग कार्यालय का घेराव करेंगे। बाघ के हमले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बांधवगढ़ का बफर जोन अब ग्रामीणों के लिए खतरे का इलाका बनता जा रहा है और क्या वन विभाग तभी जागेगा, जब अगली बार कोई और शिकार बनेगा?

किरायेदार बनकर पुलिस ने गांजा तस्कर को दबोचा

शहडोल।

जिले की खैरहा पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे गांजा तस्करी के आरोपी को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी अनूपपुर जिले के चचाई थाना क्षेत्र निवासी राहुल तिवारी है, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

सितंबर 2024 में खैरहा थाना क्षेत्र के करकटी जंगल के पास पुलिस ने एक कार से 1 क्विंटल 74 किलो गांजा बरामद किया था, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई थी। उस वक्त कार में सवार पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि मुख्य आरोपी राहुल तिवारी फरार हो गया था। पुलिस टीम तब से लगातार उसकी तलाश कर रही थी। हाल ही में सूचना मिली कि राहुल तिवारी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के सरकंडा इलाके

में किराए के मकान में रह रहा है। जानकारी मिलते ही खैरहा थाना प्रभारी उमाशंकर चतुर्वेदी के नेतृत्व में टीम बिलासपुर रवाना हुई। आरोपी के ठिकाने की पुष्टि करने के लिए पुलिसकर्मी खुद किरायेदार बनकर तीन दिनों तक कॉलोनी में निगरानी करते रहे। गुप्त रूप से की गई इस रेकी के बाद जैसे ही पुलिस को राहुल की मौजूदगी का भरोसा हुआ, रात में घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया गया। पुलिस के मुताबिक, राहुल उड़ीसा से गांजा लाकर शहडोल-बंधवार क्षेत्र में सप्लाई करता था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मासूम के साथ दरिंदगी करने वाले को सख्त सजा दिलाने की मांग

भीम आर्मी सहित सामाजिक संगठन ने सौंपा ज्ञापन

शहडोल। जिले में एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। सिर्फ 10 साल की मासूम बच्ची के साथ 65 वर्षीय व्यक्ति द्वारा किए गए बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के खिलाफ अब भीम आर्मी और सामाजिक संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। पीड़ित परिवार के साथ संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। जानकारी के अनुसार, यह दिल दहला देने वाली घटना 3 नवंबर 2025 की दोपहर लगभग 1 से 2 बजे के बीच की है। 65 वर्षीय पड़ोसी ने 9 वर्ष 10 माह की एक मासूम बच्ची, जो 5वीं कक्षा की छात्रा है, उसको अपने घर में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया, आरोप है कि वृद्ध ने बच्ची के मुंह पर टेप लगाकर कुकर्म किया, जिससे

वह चीख भी नहीं पाई, घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया, जहां पूछताछ के दौरान उसने अपने अपराध को स्वीकार किया और कहा तुम लोग जो कर सकते हो कर लो, बताया जा रहा है कि आरोपी ने अपने घर में कुछ बड़े वीआईपी लोगों के नाम भी लिए हैं, जिससे पूरे मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इस तरह की दरिंदगी करने वाले कई लोग राजनीतिक या आर्थिक दबाव का इस्तेमाल कर मामले को दबा देते हैं या पीड़ित परिवारों को धमकाकर शिकायत वापस लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी के विरोध में को भीम आर्मी और अन्य सामाजिक संगठन पीड़ित परिवार के साथ कलेक्टर कार्यालय और एसपी कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने दोषी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में सख्त सजा दिलाने, पीड़िता को सुरक्षा व आर्थिक सहायता देने और आरोपी द्वारा लिए गए वीआईपी नामों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे, फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, और घटना की विवेचना जारी है।

कुएं में गिरने से नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, गांव में पसरा मातम

शहडोल।

जिले के सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम बेल्हा में शनिवार को एक दर्दनाक और रहस्यमय घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। यहां 20 वर्षीय नवविवाहिता पूनम यादव पति आकाश यादव की कुएं में गिरने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पूनम सुबह घर के आंगन में बने कुएं से पानी भरने गई थी, तभी यह हादसा हुआ। हालांकि मौत की परिस्थितियां संदिग्ध बताई जा रही हैं, जिससे घटना ने रहस्य का रूप ले लिया है। जानकारी के अनुसार, पूनम यादव का विवाह कुछ समय पहले ही हुआ था। रोजाना की तरह वह शनिवार सुबह पानी भरने के लिए कुएं पर गई थी, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई। कुछ देर तक उसके वापस न आने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की, तो देखा कि बाल्टी कुएं के पास पड़ी है। जब तक लोग पहुंचे और उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी हालत गंभीर थी। तत्काल ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही सीधी थाना प्रभारी शिवेंद्र भगत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतका का शव कुएं से निकालकर पंचनामा कार्रवाई की गई है। प्रारंभिक जांच में यह मामला हादसे का

प्रतीत हो रहा है, फिर भी मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से मृतका के ससुराल और मायके पक्ष के लोग दोनों सदमे में हैं। वहीं, मृतका के परिजनों ने इस मौत को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि विवाह को अभी कुछ ही महीने हुए थे, और विवाह के बाद से पारिवारिक मतभेद की चर्चाएं भी चल रही थीं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पति और ससुराल पक्ष के कुछ सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए शहडोल जिला अस्पताल भेजा गया है। गांव में इस घटना के बाद मातम का माहौल है। लोग चर्चा कर रहे हैं कि आखिर यह एक सामान्य हादसा था या इसके पीछे कोई और वजह छिपी है। पुलिस की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सच्चाई सामने आएगी।

इनका कहना है...

एक नवविवाहिता की कुएं में गिरने से मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया गया है। जांच जारी है, रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

शिवेंद्र भगत
थाना प्रभारी, सीधी

खबर संक्षेप

1 दिसबंर से किया जाएगा धान उपार्जन का कार्य

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, उपार्जन हेतु जारी नीति के क्रियान्वयन के लिये निर्धारित एसओपी एवं अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशानुसार संबंधित कार्य किये जाने के निर्देश प्राप्त हुये है । उन्होने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में पंजीकृत एवं स्लॉट बुकिंग कृषकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य 1 दिसबंर, 2025 से 20 जनवरी 2026 तक की अवधि में किया जाना है।उन्होने कहा है कि दिये गये निर्देशो का भली भांति सूक्ष्मता से अध्ययन कर अपने विभाग से संबंधित बिन्दुओं पर समय-सीमा में कार्यवाही करना सुनिश्चित करे, जिससे खरीफ धान उपार्जन का कार्य शासन के निर्देशानुसार सुगमता पूर्वक सम्पन्न किया जा सके ।

11 नवंबर को जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक

उमरिया। जिले में इस वर्ष वर्षा अनुरूप होने से निर्मित सिंचाई जलाशयों में लगभग शतप्रतिशत जल भराव हुआ है। खरीफ सिंचाई 2025 की समीक्षा एवं आगामी रबी फसल की सिंचाई का कार्यकम तैयार करने के लिये जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक का आयोजन 11 नवंबर को दोपहर 1 बजे से कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

राष्ट्रीय तंबाकू मुक्त 3.0 कार्यक्रम के तहत दिलाई गई शपथ

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस.चंदेल के नेतृत्व में नोडल अधिकारी डॉ.संदीप सिंह ने बताया कि किशोर किशोरियों में बढ़ रहे तंबाकू उत्पादों के पदार्थ की रोकथाम हेतु शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थाएं बन जाने हेतु उपस्थित प्रतिभागियों को जीएसआईडीएल आइन के अनुसार जानकारी प्रदान की गई।
उन्होंने बताया कि प्रत्येक शिक्षण संस्थान में प्रधानाचार्य प्रभारी संस्था प्रमुख की अध्यक्षता में तंबाकू नियंत्रण समिति का गठन किया जाएगा साथ ही शैक्षणिक संस्था को छात्रों के बीच तंबाकू उत्पादों के सेवन को नियंत्रित करना जिस हेतु एक नोडल अधिकारी शिक्षक बनाए जाएंगे एवं कोटपा 2003 अधिनियम की धारा 6 के अनुसार शैक्षणिक संस्थाएं परिसर के 100 गज के दायरे में तंबाकू पदार्थ की बिक्री नहीं होनी चाहिए इस संबंध में प्रवेश द्वार पर एवं विद्यालय के मुख्य जगहों पर आवश्यक बोर्ड या बैनर प्रदर्शित किए जाएंगे । उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थान में कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 का उल्लंघन करने पर शिक्षण संस्था के प्रमुख के द्वारा जुर्माना लगाने के लिए अधिकृत किया गया है । नोडल अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह ने बताया कि शैक्षणिक संस्थाओं को छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा तंबाकू नियंत्रण की पहल को प्रोत्साहित करना चाहिए और इस संबंध में प्रधानाचार्य द्वारा तंबाकू नियंत्रण पर पहल करने वाली विद्यार्थी शिक्षा के अन्य स्टाफ को पहचान कर उनको प्रशंसा या पुरस्कार प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए । उन्होंने उपस्थित स्टाफ को शपथ दिलाकर ग्राम स्तर पर जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया । बैठक में परामर्शदाता ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर ,ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित रहे।

अब सवालों के घेरे में ठेकेदार, मकान मालिक और विद्युत विभाग

हाईटेंशन लाइन के नीचे हो रहा था मकान निर्माण, मौत

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम ऊंचेहरा में बीते दिनों हुई दर्दनाक दुर्घटना ने स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्माणाधीन मकान की छत ढलाई के दौरान करंट लगने से मिस्त्री हेतराम साहू उम्र 35 वर्ष की मौत हो गई। यह हादसा न केवल ठेकेदार की लापरवाही बल्कि बिजली विभाग और मकान मालिक की जिम्मेदारी पर भी गहरे प्रश्नचिह्न लगाता है। घटना के बाद से गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि हादसा टल सकता था, यदि नियमानुसार निर्माण की अनुमति ली जाती और बिजली विभाग ने अपनी जिम्मेदारी निभाई होती। हालाकि बताया जा रहा है कि मकान हेतराम साहू का ही था।

करंट की चपेट में आया मजदूर

ऊंचेहरा गांव में बीते दिनों सुबह एक मकान की छत ढलाई चल रही थी। इसी दौरान मिस्त्री हेतराम साहू काम करते हुए छत पर चढ़ा और मकान के ऊपर से गुजर रही 12 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। तेज झटके से वह वहीं गिर पड़ा। साथी मजदूरों ने तुरंत काम रोककर उसे नीचे उतारा और जिला अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ठेकेदार और मकान मालिक की लापरवाही उजागर

परिजनों ने ठेकेदार खिलावन सिंह राठौर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि निर्माण स्थल पर किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। मजदूरों को न हेलमेट दिए गए, न दस्ताने, न ही किसी विद्युत सुरक्षा का इंतजाम किया गया। परिवार का कहना है कि यदि ठेकेदार ने सुरक्षा नियमों का पालन किया होता तो हेतराम आज जिंदा होता। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि जिस मकान पर काम चल रहा था, वह मकान सीधे हाईवोल्टेज लाइन के नीचे बनाया जा रहा था। इसके बावजूद ठेकेदार और मकान मालिक दोनों ने किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली और न ही बिजली लाइन को हटवाने का प्रयास किया।

बिजली विभाग की भूमिका पर भी सवाल

सबसे बड़ी लापरवाही बिजली विभाग की है, जिसने न केवल इस अवैध निर्माण को अनदेखा किया बल्कि लाइन के इतने नजदीक निर्माण कार्य पर भी कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग का पूरा मैदानी अमला जानबूझकर

आंखें मूंदे रहा। ऊंचेहरा ही नहीं, बल्कि आस-पास के कई गांवों में भी हाईटेंशन लाइन के नीचे मकान बन चुके हैं, लेकिन विभाग कभी कार्रवाई नहीं करता। स्थानीय लोग साफ तौर पर कह रहे हैं कि यह मिलीभगत का नतीजा है, जिसमें मकान मालिक, ठेकेदार और विभाग के अधिकारी तीनों जिम्मेदार हैं।

यह कहता है कानून

विद्युत सुरक्षा अधिनियम व ऊर्जा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी हाईटेंशन लाइन (11 केवी या उससे अधिक वोल्टेज) से कम से कम 3 मीटर की क्षैतिज और 4 मीटर की ऊध्व दूरी बनाए रखना अनिवार्य है। इस नियम का उल्लंघन न केवल गैरकानूनी है, बल्कि मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा है। ऐसी स्थिति में निर्माण कार्य करने वाले मकान मालिक, ठेकेदार और बिजली विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी तीनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304-ए (लापरवाही से मृत्यु कारित करना) के तहत आरोपी बनाया जा सकता है।

प्रशासनिक निष्क्रियता से बढ़ रही दुर्घटनाएं

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जिले में कई स्थानों पर हाईटेंशन लाइन के नीचे निर्माण कार्य धड़ल्ले से हो रहे हैं। न तो प्रशासनिक और न ही बिजली विभाग ने कभी निरीक्षण किया। इससे पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन हर बार विभागीय अधिकारी मामले को दबा देते हैं। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि आखिर बिजली विभाग का लाइन निरीक्षण अमला किस काम का है, जब उसकी निगरानी में जानें जा रही हैं?

परिवार की बदहाली

मृतक हेतराम साहू के दो छोटे बच्चे और पत्नी हैं, जिनका अब सहारा छिन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को कम से कम 10 लाख की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की है। साथ ही ठेकेदार, मकान मालिक और बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग भी उठाई गई है।

पुलिस ने शुरू की जांच

इधर स्थानीय पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि मकान हाईटेंशन लाइन के बिलकुल नीचे बनाया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जा सकता है। इस हादसे ने न केवल विभागीय लापरवाही बल्कि भ्रष्ट तंत्र की पोल भी खोल दी है। यदि विद्युत विभाग समय रहते कार्रवाई करता, तो हेतराम की जान बच सकती थी। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की असंवेदनशीलता की करुण परिणति है।

इनका कहना है...

घटना की सूचना मिली है, उक्त व्यक्ति को इलाज के लिए उमरिया ले गये थे, मौत वहां हुई है, मर्ग डॉयरी अभी नहीं आई है, जांच के बाद ही कहा जा सकता है कि गलती किसकी है।
बालेन्द्र शर्मा
थाना प्रभारी, नौरोजाबाद

असवारी पंचायत में बंद भ्रष्टाचार का जिन्न

रेत-गिट्टी के फर्जी बिल, रॉयल्टी गायब

शहडोल। जिले की गोहपारू जनपद की पंचायतों में भ्रष्टाचार अब खुलेआम सत्ता और सिस्टम की सरपरस्ती में फल-फूल रहा है। ग्राम पंचायत असवारी इसका ताजा उदाहरण बन चुकी है, जहां बाउंड्रीवॉल निर्माण के नाम पर लाखों रुपये के सरकारी धन का गबन किया गया है। पंचायत के सचिव, सरपंच और उपयंत्री की मिलीभगत से न केवल फर्जी बिलों का खेल खेला गया बल्कि चोरी के खनिज का उपयोग कर शासकीय राशि का दुरुपयोग भी किया गया। सूत्रों के मुताबिक, पंचायत ने विद्यालय की बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए सामग्री की खरीदी के बिल प्रस्तुत किए हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि एक भी बिल की रॉयल्टी पंचायत के अभिलेखों में मौजूद नहीं है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि रेत, गिट्टी और मुरम जैसी सामग्री या तो अवैध उत्खनन से लाई गई या फिर कागजों पर ही खरीदी गई।

भुगतान पहले, निर्माण बाद में

असवारी पंचायत में निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही भुगतान कर दिया गया था। यानी सरकारी नियमों की खुली धज्जियां उड़ाई गईं। गोहपारू जनपद मुख्यालय से सटी इस पंचायत में चल रही इस गड़बड़ी की खबर जनपद के उच्च अधिकारियों तक है, लेकिन

अब तक किसी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जनपद गोहपारू में यह अकेला मामला नहीं है। बीते वर्षों में दर्जनों पंचायतों में ऐसे निर्माण कार्य हुए हैं, जिनमें रॉयल्टी का कोई प्रमाण नहीं है, जबकि बिल लाखों रुपये के भुगतान के साथ ऑनलाइन अपलोड कर दिए गए। यदि इन बिलों और भुगतान की जांच की जाए तो भ्रष्टाचार का जाल पंचायत भवनों की नींव तक फैला हुआ मिलेगा।

यह कहते हैं कायदे

कोई निर्माण कार्य पंचायत या शासकीय संस्था द्वारा किया जाता है, तो खनिज की रॉयल्टी की जांच करना संबंधित विभाग यानी पंचायती राज अमले और जनपद के तकनीकी अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। लोक निर्माण संहिता और मप्र पंचायत (राजस्व एवं लेखा) नियम 1999 के अनुसार पंचायतों को निर्माण सामग्री खरीदते समय खनिज की वैध रॉयल्टी की प्रति अनिवार्य रूप से संलग्न करनी होती है। रॉयल्टी के बिना बिल स्वीकार करना सरकारी धन का दुरुपयोग और वित्तीय अपराध की श्रेणी में आता है। फिर भी, गोहपारू जनपद के अधिकारी इन नियमों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। असवारी जैसी कई पंचायतों में करोड़ों रुपये के निर्माण कार्य चल रहे हैं, लेकिन किसी के पास खनिज रॉयल्टी का अता-पता नहीं। सब कुछ ठेकेदारनुमा पंचायत व्यवस्था में बदल चुका है, जहां कागजों पर वेण्डर हैं, बिल हैं, भुगतान है, लेकिन सच्चाई सिर्फ कमीशन की मोटी रकम है।

जांच और कार्रवाई की मांग

जागरूक लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत असवारी सहित जनपद गोहपारू की अन्य पंचायतों के निर्माण कार्यों की तकनीकी, वित्तीय और रॉयल्टी की संयुक्त

फर्जी बिलों पर हुआ भुगतान, कटघरे में पंचायत के जिम्मेदार

जांच कराई जाए। यदि किसी बिल में रॉयल्टी की प्रति नहीं पाई जाती है, तो सचिव, सरपंच, उपयंत्री और संबंधित वेण्डर पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (सरकारी धन का दुरुपयोग) के तहत मामला दर्ज किया जाए।

कमीशनखोरी की खुली छूट

वर्तमान स्थिति यह है कि गोहपारू जनपद की पंचायतों में भ्रष्टाचार एक सिस्टम बन चुका है। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का कोई नामोनिशान नहीं है। पंचायत मनमाने ढंग से सामग्री सप्लाई दिखाते हैं, अधिकारी आंख मूंद लेते हैं और सरकारी अमला रिश्वत की मलाई में लिपटा रहता है। असवारी पंचायत का यह मामला केवल एक पंचायत की कहानी नहीं, बल्कि पूरे जनपद में फैले उस सड़े हुए तंत्र की झलक है, जहां विकास की राशि वास्तविक विकास के बजाय भ्रष्टाचार की बाउंड्री में कैद होकर रह गई है।

इनका कहना है...

मामला संज्ञान में है, हमने जांच के लिए लिखा है, जल्द ही हकीकत सामने आयेगी।
सुधीर दिनकर
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत गोहपारू

मतदाताओं को गणना पत्रक किया वितरित

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से एसआईआर प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशानुसार जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और दो प्रतियों में तैयार गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं और एप पर उपलब्ध लिंक पर मतदाता विवरण अद्यतन कर रहे हैं। अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अंबिकेश प्रताप सिंह ने ग्राम डिडौरी मतदान केंद्र क्रमांक 20 में बीएलओ व्दारा घर -घर वितरित किए जा रहे गणना पत्रक कार्य अवलोकन किया। इस दौरान उन्होने गणना पत्रक वितरित करते हुए फार्म भी भरा। सभी मतदाताओ से उन्होने कहा कि इस कार्य में बीएलओ का सहयोग प्रदान करें। बीएलओ के पास पहले से मतदाता सूची 2025 के

विवरण के अनुसार आपके नाम, पता और इपिक नंबर सहित प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म होगा। इस फॉर्म में भरी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक जाँचे तथा पुष्टि करें।जिन परिवारों में कोई नया सदस्य 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, उनका नाम मतदाता सूची में जोडऩे के लिए बीएलओ द्वारा फॉर्म-6 उपलब्ध कराया जाएगा। यदि परिवार के किसी सदस्य का निधन हो गया हो या वह अन्यत्र स्थानांतरित हो गया हो, तो उसकी जानकारी भी बीएलओ को दें ताकि सूची से नाम विलोपित किया जा सके। घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा सहित बीएलओ उपस्थित रहे।

सड़क पर जगह-जगह हादसों की दरार

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

हरिभूमि कोतमा। राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 43 का सफर खतरों से भरता जा रहा है। अनूपपुर से मनेद्रगढ़ हाईवे सड़क पर जगह-जगह उभर आई दरारे और कई पुलियों के बीच बने गड्ढों से कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है ।कई जगहों पर सड़क पर बनी दरारें और गड्ढों को भरने के लिए काम चलाऊ तरीके से थेगडी लगाए गए थे जो वाहनों की धमक से उखड़ चुके हैं। कोतमा से बेलिया फाटक एवं अनुपपुर से कोतमा के बीच सड़क में एक दर्जन से अधिक जगहों पर हाईवे की टूटी-फूटी सड़क विभागीय हीला-हवाली की पोल खोल रहे हैं। अनुपपुर से बदरा के बीच गोडहारी पुलिया में बीचों बीच गड्ढा हो गया है जिसके मरम्मत कार्य करवाये जाने विभागीय अधिकारियों का ध्यान ही नही जा रहा है।

टोल टैक्स पूरा, सड़क अधूरा

लोगों का कहना है कि जब टोल टैक्स के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए की वसूली की जा रही है तो सड़क की मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है। हाईवे सडक में अनूपपुर से कोतमा के बीच साथ ही कोतमा नगर से बाहर निकलते ही वन डिपो के पास एवं राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 43 कोतमा से मनेद्रगढ़ जाने वाले रास्ते में भारत पेट्रोलियम पंप के आगे पुल के ऊपर सहित कोतमा - बिजुरी जानें वाले

रास्ते में कई जगह छोटे-छोटे गड्ढे बन गये हैं। साथ ही बेलिया फाटक फ्लाई ओवर ब्रिज से लेकर टोल प्लाजा तक कई जगह सड़क में दरारें आ गई है।

हल्के फुल्के सड़क की मरम्मत

एमपी आरडीसी विभाग के द्वारा इन गड्ढों को भरने के लिए सीमेंट से पैच वर्क कराया गया था लेकिन हर बार सीमेंट भरने के बाद कुछ ही दिन में उखड़ जाते हैं ।कई जगह सड़कों पर दरारें दिखनी शुरू हो गई हैं। संबंधित एजेंसी के ठेकेदार द्वारा इस गड्ढे को भरने के लिए एवं दरार भरने के लिए पैच वर्क नहीं कराया गया जिसके कारण सड़क उखड़ चुकी हैं स यह गड्ढे दुर्घटना का कारण - अनूपपुर से कोतमा मार्ग में सड़कों पर दरारें होने के कारण दो पहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का अंदेशा होने के साथ ही वाहनों के पहिए अनबैलेंस होने लगते हैं जिसके कारण कोई बड़ी दुर्घटना कभी भी घटित होने का अंदेशा बना हुआ है । और पहले भी इन गड्ढों के कारण कई घटनाएं घटित हो चुके हैं जिस पर भी किसी भी प्रकार कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अनूपपुर से मनेद्रगढ़ एन एच 43 मार्ग में पहले जो सड़क के किनारे यात्री प्रतीक्षालय बनाए गए थे वह पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं जिससे आवागमन करने वाले यात्रियों को सड़क के किनारे धूप में बैठना पड़ता है, वहीं लोगों को पहले हैंड पंप के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाता था लेकिन सड़क बनने के बाद हैंड पंप को उखाड़ दिया गया है जिससे आवागमन करने वाले लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और लगातार यात्री परेशान होते जा रहे हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बना भूतिया अस्पताल ग्रामीणों की सेहत के साथ खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेलिया बड़ी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत इन दिनों चिंताजनक बनी हुई है। केंद्र पर डॉक्टर की लंबे समय से न होने के कारण और कर्मचारियों की लापरवाही ने स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से चरमरा दिया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह स्वास्थ्य केंद्र अब एक भूतिया अस्पताल बन चुका है, जहां न तो डॉक्टर मौजूद हैं और न ही कर्मचारी नियमित रूप से ड्यूटी पर आते हैं जो कर्मचारी आते भी हैं, वह समय से पहले चले भी जाते हैं अधिकांश समय केवल कुछ ही कर्मचारी केंद्र पर मौजूद रहते हैं। इस स्थिति के चलते गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और आपातकालीन मरीजों को इलाज के लिए दूर जिला चिकित्सालय अनूपपुर कोतमा या अन्य जिलों के अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उनके समय और धन दोनों का नुकसान हो रहा है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ

को लेकर सुविधाओं को लेकर कई बार लापरवाही देखी गई लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था महज कागजों तक सीमित रह गई है। जमीनी हकीकत यह है कि अस्पताल में न तो डॉक्टर हैं और न ही पर्याप्त कर्मचारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूद अधिकांश कर्मचारी गैर-हाजिर रहते हैं, जिससे दवा वितरण और बुनियादी जांच जैसी सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने इस समस्या की शिकायत जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से कई बार की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद न तो डॉक्टर की तैनाती की गई है और न ही कर्मचारियों की अनियमितता पर अंकुश लगाया गया है।

इनका कहना है

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे डाक्टर के साथ ही स्टाफ कार्यरत हैं यदि स्टाफ नही रहता है तो मैं स्वयं निरीक्षण करूंगा और व्यवस्था मे सुधार के निर्देश दूंगा।
डॉ. केएल दीवान
बीएमओ कोतमा

जमुना कालरी में दंगल धमाका, कई राज्यों के पहलवानों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। नगर पालिका परिषद पसान क्षेत्र में पारंपरिक खेलों की पहचान बन चुकी वार्षिक कुश्ती प्रतियोगिता दंगल धमाका का शुभारंभ शुक्रवार को मेन दुर्गा पंडाल मैदान में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राम अवध सिंह द्वारा किया गया इस दौरान अखाड़े में जुटी हजारों की भीड़ ने उत्साह और जोश का अनूठा नजारा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, डॉ. सुनील कुमार चौरसिया (अध्यक्ष नगर परिषद डूमरकछार), राजेश सिंह (जिला मीडिया प्रभारी) तथा लाल बहादुर जायसवाल की उपस्थिति रही मंच पर मृगेंद्र सिंह, उदयराज सिंह, विकास जायसवाल, यादवेंद्र सिंह एवं सचिन जायसवाल भी उपस्थित रहे। पहली कुश्ती फतेहगढ़ के संतोष पहलवान एवं गोरखपुर के अशोक पहलवान के बीच कराई गई, जिसमें दोनों पहलवानों के शानदार दांव-पेंच और मजबूत पकड़ ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस वर्ष के दंगल में नेपाल, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आए पुरुष व महिला कुल 40 जोड़ी पहलवान अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने कहा "कुश्ती केवल खेल नहीं, यह हमारी धरती की परंपरा, मेहनत, अनुशासन और सम्मान की पहचान है ऐसे आयोजनों से युवाओं में शारीरिक सुदृढ़ता, मनोबल और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखे हुए है, और इसे हर वर्ष और भव्य स्वरूप दिया जाएगा। फाइनल मुकाबला कल होगा, जिसके लिए क्षेत्रभर में उत्सुकता बनी हुई है अखाड़े में महिला एवं पुरुषों सहित हजारों दर्शकों की भीड़ उमड़ी।

राजनगर में एसआईआर प्रक्रिया के संदर्भ में मंडल कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज राजनगर। राजनगर क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी राजनगर मंडल में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर प्रक्रिया के संदर्भ में मंडल कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोतमा विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिलीप जायसवाल का एंव कार्यक्रम की वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति सोनी का मार्गदर्शन मिला। साथ ही एसआईआर प्रक्रिया के विधानसभा प्रभारी प्रेमचंद यादव, नगर परिषद बनगवां के अध्यक्ष यशवंत सिंह तथा नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चौरसिया कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष राजनगर, धर्मेंद्र सिंह पिछला मोर्चा जिला अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारी,मंडल के सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता बंधु एवं वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस संदर्भ में विस्तार से चर्चा हुई। इस कार्यक्रम प्रमुख रूप से श्याम सुंदर गौतम, सच्चिदानंद सिंह, पत्रकार मनोज सिंह जी पत्रकार, समर बहादुर सिंह, मनीष शुक्ला, अजय सिंह, अरविंद सिंह परिहार, शिव मूरत केवट, सुनील गुप्ता, दिनेश चतुर्वेदी, अशोक वर्मा, गिरिजा विश्वकर्मा, संतोष जायसवाल, सोनू कनौजिया, सचिन द्विवेदी, नारायण साहू, नगर परिषद डूमर कछार की उपाध्यक्ष श्रीमती कंचन मेहता, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती संगीता माली, श्रीमती संगीता साहू एवं अनेक बूथ अध्यक्ष बीएलओ 2 एवं मंडल में निवासरत समस्त पार्टी पदाधिकारी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं समस्त कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे। निर्वाचन साथ ही राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय गान वंदे मातरम का गायन कर कार्यक्रम की समापन की घोषणा की गई।

खबर संक्षेप

कृत्रिम गर्भाधान का दिया जा रहा प्रशिक्षण

कटनी। कृत्रिम गर्भाधान में जिले की स्थिति में सुधार लाने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला कैलवाराखुर्द में आंशिक रूप से सक्रिय मैत्री कार्यकर्ताओं को पांच दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस जिले के सभी विकासखंड से आये 25 मैत्री कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिले में अभी 74 में से लगभग 25 कार्यकर्ता ही कृत्रिम गर्भाधान कार्य में सक्रिय हैं। प्रशिक्षण में प्रत्येक दिवस कम से कम 5 से 7 गायों में एआई पूर्व तैयारी, एआई के दौरान सावधानी, सर्विक्स फीलिंग, एआई गन प्रोपेगेशन सीमेन डिपोजिशन, रिपीट ब्रीडर और एनइस्ट्रस एनीमल ट्रीटमेंट आदि समस्त गतिविधियों के समुचित सम्पादन के लिए जिले के वरिष्ठ एवं अनुभवी चिकित्सकों एवं सहायक स्टाफ द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 25-30 गौवंश पशुओं में दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुमंत वर्मा सिविल सर्जन जिला पशु चिकित्सालय, डॉ दीक्षा लाड़े व्हीईओ, डॉ. साकेत मिश्रा, डॉ. रवि सोनी ढीमरखेड़ा, डॉ. जगदंबा मानिक रीठी, एव्हीएफओ अतुल भुजिया, रामजी बर्मन, गौशाला प्रबंधक चतुर्वेदी, संतीलाल आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रगति की समीक्षा

कटनी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (विस्तारित चरण) 3.0 के क्रियान्वयन की कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में कनेक्शन जारी करने, जारी कनेक्शन की जांच सहित योजना की पात्रता के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से वंचित पात्र उपभोक्ताओं को गैस एजेंसी द्वारा डिप्राइवेशन डिक्लेरेशन (Deprivation Declaration) फॉर्म उपलबध कराये जायें। जांच में सही पाये जाने पर गैस कनेक्शन जारी किये जाने के कलेक्टर ने निर्देश दिए। जारी कनेक्शन में से 5 फीसदी कनेक्शन की जांच जिला स्तरीय कमेटी द्वारा की जायेगी। इसके अतिरिक्त परिवार में किसी भी सदस्य का पूर्व से गैस कनेक्शन होने पर परिवार के अन्य सदस्य को उज्जवला गैस कनेक्शन की पात्रता नहीं होगी। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार, रेनू वर्मा नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं अर्पित शिवहरे सेल्स ऑफिसर आईओसीएल उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड के स्थापना दिवस पर हुए विभिन्न आयोजन

कटनी। भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश के राज्य मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर जिला स्तर पर कलेक्टर आशीष तिवारी को शुक्रवार को भारत स्काउट गाइड के स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ स्टीकर लगाकर किया और स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के सभी दलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया और स्काउट गाइड द्वारा स्थापना दिवस को सेलिब्रेट किया गया। इस अवसर पर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्काउट श्याम सिंह मरावी, जिला संगठक ललित कुमार मिश्रा, डी टी सी स्काउट श्री त्रिलोक डेहरिया, जिला सचिव गणेश प्रसाद चौरिहा, डी.टी.सी गाइड श्रीमती सुश्री सायरा, डीओसी गाइड सुश्री निर्मला बनर्जी, श्रीमती शुभम उरमालिया, लिया गाइडर सांदीपनि उमावि कटनी सहित विभिन्न विद्यालयों के स्काउट गाइड रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

सोहागपुर एरिया में कोयला चोरी पर नहीं लग पा रही लगाम

ठंड का मौसम शुरू होते ही एसईसीएल सोहागपुर एरिया की खदानों में कोयला चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। अज्ञात चोर गिरोह रोजाना सुबह होने के पहले ही खदानों में प्रवेश कर बोरियों में कोयला भरकर साइकिलों के जरिये जंगल के रास्ते से निकल जाते हैं।

धनपुरी।

बताया जाता है कि चोरी किया गया कोयला पास के ही बंजारों के ईंट भट्ठों में बेचा जा रहा है।कोलफील्ड प्रबंधन द्वारा खदानों की सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा गार्डों की तैनाती की गई है, लेकिन इसके बावजूद चोरी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। खदानों की बाउंड्री वॉल लंबे समय से टूटी हुई है, जिससे चोरों को अंदर घुसने में कोई कठिनाई नहीं होती। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर यह गिरोह बोरियों में कोयला भरते हैं और साइकिलों से जंगल की ओर भाग निकलते हैं।कोयला निकालने में एसईसीएल लाखों रुपए खर्च कर रही है — बड़े-बड़े हाइड्रोलिक मशीनों, ट्रकों और लेबरों की मदद से कोयला उत्पादन किया जा रहा है। लेकिन दूसरी ओर, कोयले की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब खदान से निकला कोयला ही सुरक्षित नहीं है, तो प्रबंधन की पूरी मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है।कालरी कर्मचारियों का कहना है कि कोयला चोरी रोकने के लिए रात में नियमित पेट्रोलिंग की व्यवस्था जरूरी है। उनका कहना है कि चोरी की अधिकतर घटनाएं सुबह 5 से 7 बजे के बीच होती हैं, जब अंधेरा थोड़ा कम होता है और सुरक्षा गार्डों की सतर्कता ढीली पड़ जाती है। ऐसे में यदि इसी समय गश्त बढ़ाई जाए तो चोरी पर रोक लगाई जा सकती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सोहागपुर एरिया में वर्षों से एरिया सुरक्षा अधिकारी की तैनाती नहीं की गई, जिससे चोरी पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सुरक्षा की यह लापरवाही अब कंपनी के लिए बड़ा नुकसान साबित हो रही है।लोगों ने एसईसीएल प्रबंधन से मांग की है कि खदानों की बाउंड्री की मरम्मत कराई जाए, रात में पुलिस व कंपनी की संयुक्त पेट्रोलिंग हो और स्थायी सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति जल्द की जाए। तभी जाकर कोयला चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा।

अमलाई पुलिस ने लौटाई मां की मुस्कान

लापता 5 वर्षीय मासूम को पुलिस ने सकुशल खोज निकाला

शहडोल।

जिले की अमलाई थाना पुलिस ने अपनी तत्परता और संवेदनशीलता से एक मां की गोद फिर से भर दी। घर के बाहर खेलते-खेलते लापता हुए 5 वर्षीय मासूम श्याम सुंदर कोल को पुलिस ने कुछ ही घंटों में सकुशल ढूंढ निकाला। बच्चे को सुरक्षित देखकर मां की आंखों से खुशी के आंसू झर पड़े, यह दृश्य न केवल भावुक करने वाला था, बल्कि पुलिस की मानवीय छवि को भी मजबूती देने वाला साबित हुआ। जानकारी के अनुसार, श्याम सुंदर कोल पिता महेश कोल, उम्र 5 वर्ष, निवासी जंगल सफाई अमलाई, सोमवार दोपहर अपने घर के बाहर खेल रहा था। कुछ देर बाद जब परिजनों ने देखा कि बच्चा कहीं नजर नहीं आ रहा, तो उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन नतीजा शून्य रहा। घबराए परिजनों ने तुरंत अमलाई थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमलाई के निर्देशन में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने बच्चे की तलाश के लिए आस-पास के इलाकों में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मुख्य मार्ग, गलियों और संभावित स्थानों की गहन जांच की गई। पुलिस की मेहनत रंग लाई और कुछ घंटों बाद आलमगंज खोली क्षेत्र में मासूम अकेला घूमता हुआ मिला।
बच्चे को सुरक्षित थाने लाया गया और तुरंत उसके परिजनों को सूचना दी गई। जैसे ही मां ने अपने लापता बेटे को देखा, उसकी आंखों से खुशी और राहत के आंसू बह निकले। परिवार ने भावुक होकर कहा कि अमलाई पुलिस ने हमारी दुनिया लौटा दी। थाना प्रभारी अमलाई ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने पूरा बल लगाकर बच्चे की तलाश शुरू की थी। स्थानीय लोगों की मदद ली गई और हर संदिग्ध जगह की तलाशी की गई। कुछ ही घंटों में बालक सकुशल मिला, जिसे विधिवत परिजनों को सौंप दिया गया। अमलाई पुलिस की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई ने समाज में पुलिस की छवि को एक बार फिर जनसेवक और संरक्षक के रूप में स्थापित कर दिया है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि यदि पुलिस हर सूचना पर ऐसी ही मानवीय तत्परता दिखाए, तो जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

वंदे मातरम की गूंज में डूबा धनपुरी

श्रमिकों ने याद किए देश के अमर बलिदानी

धनपुरी। शुक्रवार को नगर में "वंदे मातरम्" की गूंज उस समय चारों ओर फैल गई जब लेबर वर्ग के लोगों ने एकत्र होकर राम बिहारी शर्मा के निज निवास पर वंदे मातरम् का कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया। कार्यक्रम में श्रमिकों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" का गायन किया, जिससे वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज से लगभग डेढ़ शताब्दी पूर्व बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा बन गया था। इस गीत ने देश के करोड़ों लोगों के हृदय में आज़ादी की ज्योति प्रज्वलित की थी।कार्यक्रम में क्रांतिकारी सुभाषचंद्र बोस, चंद्रशेखर आज़ाद, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और योगदान का स्मरण किया गया। श्रमिकों ने कहा कि इन महान व्यक्तित्वों की वजह से आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं।इस अवसर पर राम बिहारी शर्मा ने कहा कि "वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि हमारी आत्मा की आवाज़ है। हमें अपने कर्म से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।"कार्यक्रम में रामगोपाल तिवारी का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। उन्होंने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई और श्रमिकों को राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।अंत में सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश की अखंडता, एकता और विकास के प्रति संकल्प लिया।

"वंदे मातरम" गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मैराथन रैली का सफल आयोजन

पाली एसडीएम,एसडीओपी व नगर पालिका अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडीबिरसिंहपुर पाली-नगर पालिका परिषद पाली व पाली पुलिस के द्वारा "वंदे मातरम्" गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य मैराथन रैली का आयोजन किया गया।रैली का शुभारंभ प्रातः आठ बजे सरस्वती स्कूल पाली से हुआ, जो थाना कार्यालय पाली तक संपन्न हुई। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों बंधु,पार्षदगणों, अधिकारीगणों, स्कूल के विद्यार्थियों शिक्षकों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में देशभक्ति के नारों और "वंदे मातरम्" के जयघोष से नगर का वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पालिका परिषद पाली अध्यक्ष शकुंतला प्रधान जी, अनुभवगीय अधिकारी मीनाक्षी इंगले , मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह थाना प्रभारी राजेश मिश्रा, बिरसिंहपुर पाली एसडीओपी शिवचरण बोहीत पार्षद अंजू पटेल घनश्याम कुशवाहा, कृष्णकांत अवधिया , स्वच्छता विभाग के प्रभारी वीरेंद्र मिश्रा, इंजीनियर विपिन कुमार विश्वकर्मा, युवा टीम उमरिया के हिमांशु तिवारी,राहुल सिंह एवं नगर पालिका परिषद पाली के समस्त कर्मचारीगण एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।कार्यक्रम का लाइव प्रसारण नगर पालिका परिषद पाली के मीटिंग हाल में किया गया । जिसमें नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज की।इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा बताया गया कि "वंदे मातरम्" गीत हमारे राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है, और यह आयोजन देशभक्ति तथा एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने हेतु किया गया है।सभी की सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला पंचायत, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में आयोजित किए गए

राष्ट्रगीत वंदे मातरम भारत की आत्मा का अमर स्वर:सीईओ

राष्ट्रगीत वन्दे मातरम का 150वां स्मरणोत्सव कार्यक्रम

शहडोल।

जिला पंचायत, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम'' का 150 वां स्मरणोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला पंचायत शहडोल एवं जनपद पंचायत सोहागपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्यों, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरावती कोल, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सोहागपुर शक्ति सिंह सहित जनपद सदस्यों, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, परियोजना अधिकारी पी.सातपुते सहित जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी, सहायक परियोजना अधिकारी एवं कार्यालयीन स्टाफ सहित गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर ध्वजा रोहण कर सामूहिक रूप से राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन किया गया। पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग के कलाजत्था दल द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने कहा कि वंदे मातरम गीत भारत की आत्मा का अमर स्वर है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम ने भारत के लोगों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई, क्रांतिकारियों के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा, समर्पण और बलिदान की भावना भर दी। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध यह उद्घोष जन-जन के होंठों से निकलकर स्वतंत्रता का शंखनाद बन गया। असंख्य वीरों ने वंदे मातरम की गूंज के साथ अपने प्राणों की आहुति देकर माँ भारती के चरणों में अपना सर्वस्व समर्पित किया।

एनीमिया एवं सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

शहडोल।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई में सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ के मुख्य आतिथ्य एवं भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानन्द शाखा के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एनीमिया एवं सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. आफरीन खान ने बताया कि अच्छे खान पान एवं व्यवस्थित दिन चर्या से रक्ताल्पता की कमी को दूर किया जा सकता है। भोजन में हरी सब्जियों का प्रयोग एवं पौष्टिक भोजन करें। डॉ. सिल्पी सराफ ने बताया कि सिकल सेल अनुवांशिक बीमारी है। इससे बचने के लिए जांच आवश्यक है। यह जांच निःशुल्क उपलब्ध है। सिकल सेल बीमारी को रोकने के लिए आवश्यक है कि शादी से पहले लडक़ा एवं लडक़ी सिकल सेल की जांच कराएं तथा पॉजिटिव दोनो के पॉजिटिव होने पर विवाह नहीं करें। इसके साथ ही इनका उपचार भी उपलब्ध है। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज की चिकित्सक डॉ. ऋतु सोनी द्वारा उपस्थित जनों की शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की खून की जांच की गई। कार्यक्रम में परिषद की उपाध्यक्ष नीति सिंघल, प्रकाश गुप्ता, मंजू गुप्ता, श्रीजा गुप्ता, सुशील सिंघल, गौरव मिश्रा, अखिलेश शर्मा, डॉ. राहुल सोनी, सचिन गुप्ता,संदीप तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र गुप्ता ने किया एवं विद्यालय की प्राचार्य अर्चना खरे ने सभी उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई।

बस स्टैंड आडिटोरियम में हुआ सामूहिक राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम का गायन

"वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने पर हुई मैराथन दौड़, विजेता पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार 7 नवंबर को कटनी जिले के बस स्टैंड ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय स्मरणोत्सव कार्यक्रम में मौजूद छात्र -छात्राओं, नागरिकों और शासकीय कर्मियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में स्थित पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन के मंथन हॉल से दिए गए संबोधन के सीधे प्रसारण को लोगों ने वर्चुअली देखा और सुना। प्रधानमंत्री ने इस दौरान स्वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समितिस्त पुस्तिका का भी विमोचन किया ।

इस मौके पर विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल , महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा,जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहेरिया, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल,एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी,डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक नोडल अधिकारी ज्योति लिल्हारे एवं डिप्टी कलेक्टर द्वय प्रदीप मिश्रा एवं विंकी सिंहमारे उइके,तहसीलदार आशीष अग्रवाल, नायब तहसीलदार अतुलेश सिंह,जनपद पंचायत कटनी सीईओ प्रदीप सिंह सहित गणमान्य जन और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

इसके पूर्व देशभक्ति और कृतज्ञता की सामूहिक अभिव्यक्ति के साथ डी. ए. व्ही. स्कूल, तिलक राष्ट्रीय स्कूल एवं सेक्रेटहार्ड स्कूल के कक्षा 10वीं एवं 12वीं की छात्र-छात्रायें, नागरिक और शासकीय कर्मचारी बस स्टैंड आडिटोरियम से जगन्नाथ चौक (चांडक चौक) तक उमंग और उत्साह के साथ मैराथन दौड़ में शामिल हुए।

इसके बाद मैराथन दौड़ वापस बस स्टैंड आडिटोरियम पहुंचीं। लोगों ने यहां राष्ट्रीय गौरव और एकता का अलख जगाती कालजयी रचना वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। यहां के अलावा जिले के स्कूलों, कालेजों और अन्य स्थानों में "वंदे मातरम" राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। गौरव, श्रद्धा और साझा पहचान के रूप में एकजुट करने वाले राष्ट्रीय गीत के सम्मान में जिले के लोगों ने भागीदारी की।

ये हुये पुरस्कृत

वंदे मातरम मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के बालक वर्ग के विजेता आकाश केवट रहे। जबकि द्वितीय स्थान पर वंश सिंह राजपूत व तृतीय स्थान पर विजय निषाद रहे। इसी प्रकार बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर प्रीति सिंह, द्वितीय स्थान पर आयुषी सिंह और तृतीय स्थान पर विनाली जैन रहीं। इन विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

यहां यह बताते चलें कि वर्ष 2025 में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने राष्ट्रीय गीत स्वंदे मातरमस्व की रचना अक्षय नवमी के पावन अवसर पर, 7 नवंबर 1875 के दिन की थी।

गैस रिफिलिंग को लेकर उपभोक्ता परेशान

HP गैस की आपूर्ति व्यवस्था पर उठे सवाल

धनपुरी। HP गैस की घरेलू रिफिलिंग को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन देखा जा रहा है कि सिलेंडर खत्म होने के बाद उपभोक्ता गैस गोदाम और कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि तीन से चार दिन तक चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें गैस रिफिल नहीं मिल पा रही है।गैस गोदाम में गैस की खेप पहुंचते ही अफरातफरी का माहौल बन जाता है। लोग लाइन में लगकर घंटों इंतजार करते हैं, लेकिन कई बार उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। कुछ लोगों को गैस मिल जाती है, तो कई खाली हाथ घर लौट जाते हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गैस आपूर्ति में अव्यवस्था और वितरण तंत्र की लापरवाही के कारण यह समस्या लगातार बढ़ रही है। कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि गोदाम में समय पर गैस नहीं पहुंचाई जाती, और जब गैस आती है तो पारदर्शी वितरण नहीं हो पाता।उपभोक्ताओं का कहना है कि ठंड के मौसम में गैस की खपत बढ़ने के कारण समस्या और गंभीर हो गई है। कई गृहिणियों को मजबूरी में लकड़ी या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।अधिकारी बोले—जल्द सुधरेगी व्यवस्था HP गैस कार्यालय से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि कुछ दिनों से आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं, जिन्हें ठीक किया जा रहा है। जल्द ही नियमित आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखी जाए ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस रिफिलिंग मिल सके और उन्हें बार-बार परेशान न होना पड़े।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला क्षय कार्यालय अनूपपुर सभागार में प्रमुख जिला टीबी आफिसर डॉ एस.सी.रॉय की अध्यक्षता में "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम"से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक रखी गई। जिले में-टीबी मुक्त ग्रामपंचायत की संख्या, डीबीटी, टीबी नोटिफिकेशन, नाट साइड पर टारगेट के अनुसार जांच की संख्या, एक्स-रे रिपोर्ट, निश्चय आईडी, स्पूटम ट्रांसपोर्ट की जानकारी के साथ, समस्त खंखार जाँच केंद्र (डीएमसी) की व्यवस्था पर गहन चर्चा कर कमियों को दुरुस्त करने की बात कही गई। टीबी के मरीजों को समय-समय पर पोषण आहार का वितरण हो रहा है कि नही। टीबी के दवा की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई। जिला क्षय अधिकारी द्वारा सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि टीबी जाँच के लिए डीएमसी में आए मरीजों को कोई भी परेशानी न हो। समय पर जाँच हो। दवा की उपलब्धता सुनिश्चित हो। उनके साथ स्नेहपूर्ण व सहयोग भरा अच्छा व्यवहार हो। किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। समीक्षा बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) श्रीमती सिम्मी वानखेड़े, एसटीएस-देवेन्द्र जायसवाल, शिवकुमार नामदेव, गायत्री बंजारा, श्रीमती सुनन्दा, एसटीएलएस ज्योती गुप्ता, सोहराब अंसारी, रमेश कुमार, व एनटीईपी लैब टेक्नीशियन प्रकाश कुमार, मिथलेश कुमार, मनोज नागर, मनीराम, नरेश शाक्य, आसिफ़ रजा मंसूरी, ओम प्रताप सिंह, शीशलाल पनिका, संदीप कुमार, पूजा मिश्रा, कम्प्यूटर ऑपरेटर राजेश पटेल, पीपीएसए टीम लीडर उत्तम द्विवेदी आदि लोग अपने-अपने रिकॉर्ड व जरूरी दस्तावेज के साथ उपस्थित रहे।

कोतमा स्टेशन में 13 को होगी कोयले की खुली नीलामी बिक्री

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा स्टेशन में रखे लगभग 155 टन कोयले की नीलामी कोतमा रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में 13 नवम्बर गुरुवार को दोपहर 12 बजे करना सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है। इच्छुक पार्टी/पार्टियों को खुली बोली नीलामी हेतु निर्धारित समय व दिनांक तथा स्थान पर उपस्थित होकर प्रक्रिया में भाग लेना होगा व उच्चतम बोली लगाने वाली पार्टी के पक्ष में नियमानुसार नीलामी की जाएगी। नीलामी में क्रय किए गए कोयले के मूल्य का भुगतान 18 प्रतिशत जीएसटी सहित नगद/डीडी के रूप में नीलामी स्थल पर करना होगा व संबन्धित माल को नीलामी तिथि से 10 दिनों के अंदर रेलवे परिक्षेत्र से अपने जोखिम एवं खर्चे पर संबन्धित पार्टी को हटाना होगा। इस संबंध में रेलवे प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की जम्मिदारी का वहन नहीं किया जाएगा।

जिला पंचायत में आयोजित किया गया राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में गीत की स्थाई सांस्कृतिक विरासत के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए जिला पंचायत सभागार में सामूहिक वंदे मातरम गायन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन के अवसर पर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर, पत्रकार मनोज द्विवेदी, एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य मुलायम सिंह परिहार, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी डॉ उमेश द्विवेदी, स्वच्छ भारत अभियान के जिला समन्वयक डॉ. रामनरेश वर्मा सहित जिला पंचायत, वाटरशेड, स्वच्छ भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, आजीविका मिशन, पंचायत राज के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर एकलव्य विद्यालय की छात्राओं ने वंदे मातरम गायन को स्वर दिया देशभक्ति से ओतप्रोत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के पश्चात वंदे मातरम गीत पर केंद्रित "नाद एकम- रूपम-अनेक" की देशभक्ति और आध्यात्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुति का वीडियो प्रदर्शन भी देखा एवं सुना गया।

जिले में चरमराई समग्र स्वच्छता व स्वास्थ्य सेवाएं

पैसा कहीं का, लग रहा कहीं और, जिम्मेदारों ने जिम्मेदारी से किया किनारा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पूरे जिले में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण विकास का जो सपना दिखाया जा रहा है वह हकीकत में मीलों पीछे है। क्रियान्वयन एजेंसियों, नेताओं, बिचौलियों द्वारा किये जा रहे भारी भरकम भ्रष्टाचार से हर जनहितैषी योजना भोपाल से आकर अनूपपुर जिले के ग्रामीण इलाकों मे जाकर लुप्त हो जाती है। जिले की हर तहसील विकासखण्ड तथा गांवो जो भी कार्य हुये है वह अधिकतर अनुपयोगी तथा गुणवत्ताविहीन है। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिये कई योजनाएं संचालित की है, लेकिन इन योजनाओं का लाभ इन्हें मिल ही नहीं रहा है वहीं मुख्यमंत्री भोपाल के तख्ते ताऊस में बैठकर योजनाओं का ऐलान करते है तो ऐसा लगता है कि अब जिले सहित ग्रामीण इलाकों में विकास होगा लेकिन अब ये बीते वक्त की बातें बनकर रह गई है।

केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा जिले में प्रतिवर्ष अरबों रूपये का बजट भेजा जाता है लेकिन इस बजट का 60 प्रतिशत पैसा नेता, अफसर तथा बिचौलियों की तिकड़ी हजम कर जाती है। इस हकीकत को प्रदेश के मुख्यमंत्री समेत पूरा भाजपा संगठन जानता है लेकिन वोटो की राजनीति तथा मंत्रियों द्वारा भ्रष्टाचार में लिप्त होने के चलते खामोशी ओढ़ ली जाती है।

समग्र स्वच्छता अभियान बना कमाई का जरिया

इस अभियान के अंतर्गत पूरे जिले में कई करोड़

खर्च करके गरीबों के यहां शौचालय बनाये गये तथा बनाये जा रहे हैं लेकिन यहां तो जो भी शौचालय बनाये गये वे सब अभी भी अधूरे पड़े है किसी में दरवाजे नहीं है तो किसी में छत का पता नहीं है। इतना ही नहीं इनके गुणवत्ता का भी कोई भरोसा नहीं है। पूरे जिले में किसी भी वक्त देखा जाये तो ग्रामीण लोग इनका उपयोग भी नहीं करते है। क्योंकि ये अनुपयोगी है, ये खंडहरनुमा आकृति लिये खड़े है ग्रामीण जनता सरेराह गलियों तथा सड़को के किनारे शौच कर रहे है।

स्वच्छ पेयजल भी नसीब नहीं

जिले के अधिकतर गांवो के लोगों को स्वच्छ पेयजल भी नसीब नहीं होता है वहीं पेयजल के

जिले मे नकारा साबित हो रही जनहितैषी योजना

लिये सिर्फ हैण्डपंपो का सहारा है साथ ही कुएं, तालाब का पानी भी प्रदूषित है अधिकतर हैण्डपंपो से खारा जल, दूषित तथा इन हैण्डपंपो के पास फैली हुई गंदगी से गंदा पानी आता है। ग्रामीण इसी पानी को पी रहे है क्योकि तालाब व कुएं की सफाई न होने व गंदगी की भरमार होने से इसका पानी किसी लायक नहीं बचता है। पेयजल के लिये हैण्डपंप ही ग्रामीणों का सहारा है वही नल जल योजना के तहत ग्राम पंचायतों मे कागजों मे नल से जल तो निकल रहा है परंतु हकीकत इससे कोसों दूर है। आज भी ग्रामीण नल की टोंटी को देख पोखरों व नदी नालों तालाबों से पानी लाते हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिर्फ दिखावा

70 प्रतिशत ग्रामीणों में चिकित्सा की कोई सुविधा नहीं है वहीं अधिकतर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भी सिर्फ दिखावे लिये बने हुये है। कई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों मे तो ताले लगे होते है जिसके कारण हर गांव में पॉच से दस झोलाछाप डाक्टर इलाज कर रहे हैं वहीं प्रशासन भी अपना रूख इस ओर न कर इनके हौसले को और भी बुलंद कर रहा है। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेलिया बड़ी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत इन दिनों चिंताजनक बनी हुई है। केंद्र पर

डॉक्टर की लंबे समय से न होने के कारण और कर्मचारियों की लापरवाही ने स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से चरमरा दिया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह स्वास्थ्य केंद्र अब एक भूतिया अस्पताल बन चुका है, जहां न तो डॉक्टर मौजूद हैं और न ही कर्मचारी नियमित रूप से ड्यूटी पर आते हैं जो कर्मचारी आते भी हैं, वह समय से पहले चले भी जाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिये सिर्फ बैठकें

प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिये सभागार में बैठकें, योजनाएं, आंकड़े, एयर कंडीशनल हाल में बिसलरी पानी बोतलो के साथ सिर्फ ग्रामीण विकास का ताना बाना बुना जाता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कितना विकास हुआ है ये तो जिले के गांव खुद बयान कर रहे हैं वहीं जिले मे मुख्यमंत्री के निर्देश और योजनाएं तमाशा बन कर रह गये हैं। जब तक ग्रामीण विकास के सबसे ज्यादा जबावदेह अधिकारी इन योजनाओं का स्वयं जाकर निरीक्षण नहीं करेंगे तो ग्रामीण क्षेत्र में क्या विकास होगा, यह सहज ही समझा जा सकता है। पूरे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, शुद्ध पेयजल, कृषि उपज, कानून व्यवस्था में प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिला योजना समिति, जिला प्रशासन कभी भी गंभीरता से इन बुनियादी मुद्दो पर बेहतरी से काम नहीं कर पाये। गांव की क्या हालत है यह किसी भी समय कभी भी जाकर देखी जा सकती है।

राशि कहीं और की खर्च होता कहीं और

जिले मे कई ग्राम पंचायते ऐसी हैं जहां शासन का नियम और आदेश हैं जिसका ग्राम पंचायत के सचिव सरपंच सरेआम उल्लंघन करते हैं। जिले मे बैठे आला अधिकारी सब कुछ जानते हुये भी अपनी मौन स्वीकृति इन कार्यों के लिए दिये हुये हैं। तभी तो दूसरे मद का पैसा किसी दूसरे मद मे व्यय कर भ्रष्टाचार बढ़ाये हुये है, लेकिन इन पर लगाम कसने वाला कोई भी नही है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने किया कमाल

400 दिनों का एतिहासिक विद्युत उत्पादन करने का मिला गौरव

हरिभूमि न्यज, चचाई। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 प्रदेश के इतिहास में प्रथम विद्युत उत्पादन यूनिट होने का गौरव पाया जो लगातार 400 दिनों से संचालित है। यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से निरंतर विद्युत उत्पादन कर रही है यूनिट ने माह अक्टूबर की 4 तारीख को लगातार 365 दिन (1वर्ष) तक निर्बाध विद्युत उत्पादन करने का तमगा हासिल किया था। यूनिट क्रमांक 5 के लगातार संचालन से प्रदेश के विद्युत ग्रिड को स्थिरता मिली और घरेलू व औद्योगिक उपभोक्ताओं को सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हुई। इस उपलब्धि से न केवल एमपीपीजीसीएल की साख मजबूत हुई बल्कि यह प्रदेश की अन्य विद्युत इकाइयों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी है।

मुख्यमंत्री व ऊर्जा मंत्री ने ऐतिहासिक सफलता पर दी बधाई

यूनिट नंबर 5 की इस सफलता व उपलब्धि पर मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई एवं एमपीपीजीसीएल के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अमरकंटक ताप विद्युत गृह के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस अभियंताओं व कर्मियों की लगन मेहनत व समर्पण को बताया। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि सामूहिक प्रयास अनुशासित कार्यशैली व उच्च तकनीकी दक्षता से ताप विद्युत ग्रहों की यूनिट नंबर 5 जैसे परिणाम हासिल किये जा सकते हैं यूनिट के 400 दोनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने से यह धारणा भी खंडित हुई की ताप विद्युत यूनिट ऐसा शानदार प्रदर्शन कर ही नहीं सकती।

98.26 फ़ीसदी का शानदार पीएएफ

400 दिनों तक लगातार बिना रुकावट संचालन किसी भी ताप विद्युत इकाई के लिए अत्यंत चुनौती पूर्ण कार्य है जिसके लिए बॉयलर टरबाइन जनरेटर एवं सहायक प्रणालियों का सटीक रखरखाव निरंतर निगरानी एवं तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान जरूरी होता है यह उपलब्धि पावर जनरेटिंग कंपनी की समर्पित टीम के निरंतर परिश्रम से ही संभव हो रहा है। 210 मेगावाट की यूनिट में जिस समय 400 दिन सतत विद्युत उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया तब इसने 98.26 फ्रीसदी प्लांट उपलब्धता फैक्टर (पीएएफ) व 94.58 प्रतिशत का शानदार प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) की उपलब्धि हासिल की। अमरकंटक ताप विद्युत गृह के मुख्य अभियंता तनवीर अहमद ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अर्जित करने में अपने अभियंताओं कर्मचारी को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए इस उपलब्धि को शिखर तक पहुंचाने की बात कही।

लेख संकलन पुस्तक और वार्षिक पत्रिका योगामृत का हुआ विमोचन

क्रिया योग सम्मेलन के दूसरे दिन हुआ धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज, अमरकंटक। पवित्र नगरी एवं धार्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में श्री श्यामा चरण संघ के तत्वावधान में चल रहे अखिल भारतीय क्रिया योग सम्मेलन के द्वितीय दिवस 8 नवंबर को मेला मैदान स्थित विशाल सभा हाल में विविध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य एवं पुरोहितों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन, आरती, रुद्राभिषेक तथा सुंदरकांड पाठ से हुआ। इसके पश्चात योग गुरु पंडित ज्ञानेश्वर नाथ तिवारी जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं, अनुयायियों और गुरु भाई-बहनों को गुरु परंपरा का संदेश और आशीर्वचन प्रदान किया। गुरु माता श्रीमती उषा तिवारी ने भी भक्तजनों को प्रेरक उद्बोधन दिया और जीवन में साधना, भक्ति तथा गुरु के प्रति श्रद्धा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में दिनेश अग्रवाल ने आयोजन की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी और गुरु महिमा पर प्रकाश डालते हुए संघ की कार्यप्रणाली की रूपरेखा प्रस्तुत की।

वार्षिक पत्रिका 'योगामृत' का विमोचन

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में योगाचार्य श्री अमरनाथ तिवारी जी महाराज द्वारा लिखित 'लेख संकलन' पुस्तक तथा संस्था की वार्षिक पत्रिका 'योगामृत' का विधिवत विमोचन किया गया। विमोचन योग गुरु पंडित ज्ञानेश्वर नाथ तिवारी एवं गुरु माता श्रीमती उषा तिवारी के करकमलों से हुआ, इस

अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। संध्याकालीन सत्र में पंडितों एवं पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चारण और श्लोक पाठ के बीच ढोल, नगाड़ा, घंटी और शंखध्वनि के साथ मनोहर आरती संपन्न हुई। बाहर से आए भक्त मंडल द्वारा प्रस्तुत नृत्य नाटिका ने सभी का मन मोह लिया और दर्शकों ने मुक्त कंठ से कलाकारों की सराहना की।

धार्मिक उल्लास का संचार

प्रातः कालीन सत्र में विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दो बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके उपरांत विशाल कलश यात्रा कार्यक्रम स्थल से नर्मदा उद्गम मंदिर कुंड तक निकाली गई, जिसमें भक्तगण भजन-कीर्तन करते हुए सम्मिलित हुए। कलश यात्रा का समापन विशाल सभा हाल में पूजन-अर्चन एवं आरती के साथ हुआ। तीन दिवसीय यह अखिल भारतीय क्रिया योग सम्मेलन 9 नवंबर 2025, रविवार को संध्या कालीन सत्र में पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। देश के विभिन्न राज्यों से आए महिला एवं पुरुष श्रद्धालु अमरकंटक के सौम्य वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत नजर आए तथा उन्होंने यहां के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भी अवलोकन किया।

सुदूरवर्ती ग्रामों में पहुंच जिपं सीईओ ने लिया विकास कार्यों का जायजा

पेयजल समस्या के निराकरण पीएचई को मौके पर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत के सुदूरवर्ती ग्राम पडमनिया, खरसोल, बड़ीतुम्मी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने मैदानी क्षेत्र में ग्रामीण विकास के कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया गया। उन्होंने इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं के साथ संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी ली व उनकी समस्याओं को भी सुना तथा मौके पर ही समस्याओ के निराकरण संबंधी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति ने अनूपपुर जिले में जनजातीय महिला हितग्राहियों के आर्थिक उत्थान के लिए संचालित किये जा रहे बॉयलर मुर्गी पालन गतिविधियों का अवलोकन करते हुए जिले के नवाचार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत अनूपपुर के परियोजना अधिकारी डॉ उमेश द्विवेदी वाटरशेड के परियोजना अधिकारी रामनाथ कोरी, तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अमित शाह व मेंकल वूमेन पोल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ धनीराम उपस्थित थे। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने सुदूरवर्ती ग्रामों के भ्रमण के दौरान ग्राम पडमनिया में मुर्गी पालन शेड तथा प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के साथ संवाद किया। उन्होंने हितग्राही श्रीमती दुअसिया बाई श्रीमती ललति बाई आदि से की जा रही गतिविधि की जानकारी ली व उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने भ्रमण के दौरान हितग्राही महिलाओ से कार्यों की भी जानकारी ली। हितग्राहियों द्वारा पेयजल संबंधी समस्या बताए जाने पर जिला पंचायत की सीईओ ने मौके पर मौजूद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को समस्या के निराकरण संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बड़ीतुम्मी के पंचायत भवन का अवलोकन करते हुए मौके पर मौजूद सरपंच,सचिव को जिला पंचायत सीईओ ने ई-केवाईसी व परिसंपत्तियों की पोर्टल पर मैपिंग किए जाने तथा प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्यों की सतत मॉनीटरिंग कर समय सीमा में आवास निर्माण के कार्यों के पूर्णता के निर्देश दिए उन्होंने भ्रमण के दौरान बड़ीतुम्मी में जल संसाधन विभाग द्वारा बनाए गए जलाशय का अवलोकन करते हुए जलाशय के सतही जल के आसपास के गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए कार्य योजना बनाकर जल का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अनूपपुर के पत्रकारों ने दिखाई एकता

शत प्रतिशत मांग पूरी करने का प्रशासन ने दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रशासन के खिलाफ पत्रकार एकता मंच रहा आंदोलन पर अनूपपुर की धरती आज कलमकारों के क्रोध से दहक उठी है पत्रकारों ने प्रशासन की बेरुखी, उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ ऐसा हुंकार भरा कि पूरा जिला गूंज उठा। न्यू बस स्टैंड अंडरब्रिज के पास "अनूपपुर पत्रकार एकता मंच" ने आंदोलन छेड़ दिया था। अब ये लड़ाई सिर्फ कलम की नहीं, इज्ज़त और अधिकार की हो चुकी है।

जिले में पत्रकारों के साथ हो रही लगातार बर्बरता, फर्जी मुकदमों और प्रशासन की उदासीनता ने आखिरकार पत्रकारों के सब्र का बांध तोड़ दिया। 8 नवंबर 2025 को जिलेभर से जुटे पत्रकारों ने न्यू बस स्टैंड अंडरब्रिज के पास आवाज़ बुलंद करते हुए अनिश्चितकालीन आंदोलन का आगाज़ किया था।इस आंदोलन को समर्थन देने छत्तीसगढ़ से आए पत्रकार जितेंद्र जायसवाल, कर्मुनिशा और अमित गुप्ता ने भी इस संघर्ष में कंधा मिलाया। सबने एक सुर में कहा "हम डरेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं, सच्चाई लिखते रहेंगे!" आंदोलन को राजनीतिक दलों का भी भरपूर समर्थन मिला जिसमें कांग्रेस से जीवेंद्र सिंह, राजीव सिंह, बाबा खान, सतेंद्र दुबे तथा भाजपा से राज तिवारी और कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल पहुंचे। पत्रकारों की मांगों पर गंभीरता दिखाते हुए अनुविभागीय दंडाधिकारी कमलेश पूरी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम मौके पर पहुंचे और मंगलवार दोपहर 2 बजे नर्मदा सभागार में कलेक्टर के साथ सभी आंदोलनरत पत्रकारों से चर्चा होना तय की है।

छत्तीसगढ़ से पत्रकारों का समर्थन

पत्रकारों का सब्र अब जवाब दे चुका है।लगातार प्रशासन द्वारा उनकी खबरों को नजरअंदाज करना और फर्जी मुकदमे थोपना, इस आग में घी का काम कर गया। अनूपपुर के हर कोने से पत्रकार एकजुट होकर ललकार रहे हैं चिलचिलाती धूप में भी सैकड़ों कलमकार नारे बुलंद किए। अनूपपुर का संघर्ष अब सीमाओं से परे जा चुका है। छत्तीसगढ़ से आए वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र जायसवाल, कर्मुनिशा और अमित गुप्ता ने कहा यह आंदोलन सिर्फ अनूपपुर नहीं, पूरे देश के पत्रकारों की आवाज़ है। मंच पर खड़े होकर उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि पत्रकारों की मांगें जल्द नहीं मानी गईं तो यह आंदोलन प्रदेशव्यापी रूप ले लेगा।

प्रशासन पर बढ़ा दबाव

पत्रकारों की यह जंग अब राजनीतिक गलियारों तक पहुंच चुकी है। कांग्रेस के जीवेंद्र सिंह, राजीव सिंह, बाबा खान, सतेंद्र दुबे सहित भाजपा के राज तिवारी और कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने खुलकर समर्थन दिया। दोनों दलों ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की रीढ़ हैं, और उन पर अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नेताओं ने आश्वासन दिया कि वे इस आंदोलन की गूंज मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। लहराते बैनरों और गूंजते नारों के बीच आखिरकार प्रशासन हरकत में आया और अनूपपुर एसडीएम कमलेश पूरी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम मौके पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलनरत पत्रकारों को भरोसा दिलाया कि उनकी हर मांग पर गंभीरता से चर्चा और निराकरण किया जाएगा। एसडीएम अनूपपुर ने कलेक्टर से दूरभाष के माध्यम से बात कर आंदोलनरत पत्रकारों के साथ नर्मदा सभागार में मंगलवार को 2 बजे बैठक तय की गई है। पर सवाल ये है क्या प्रशासन अब भी नींद से जागेगा या फिर पत्रकारों का आंदोलन और उग्र होगा।

आपत्तिजनक बयानों से आक्रोशित सिंधी समाज

विरोध में अनूपपुर थाने में सौंपा ज्ञापन, माफी और सार्वजनिक स्पष्टीकरण की मांग

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। हाल ही में सार्वजनिक रूप से दिए गए आपत्तिजनक बयानों को लेकर शनिवार को सिंधी समाज में तीव्र रोष व्याप्त हुआ। समाज के कोतमा जैतहरी चचाई एवं अनूपपुर के सिंधु समाज के कई सदस्यों ने थाना अनूपपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एक आवेदन सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया कि उक्त बयानों से सिंधी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और अपेक्षा की जाती है कि दोषी व्यक्ति सार्वजनिक रूप से माफी दे और अपनी बातों पर सफाई दे। आवेदन पार्षद हेमलता मोटवानी के हस्ताक्षर सहित प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि अमित बघेल ने न केवल महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की बल्कि एक विवादित वक्तव्य में यह भी कहा कि सिंधी समाज को पाकिस्तान चले जाना चाहिए। सिंधी समाज के लोगों ने कहा कि यह बयान निंदनीय और असंवेदनशील है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिंधी समाज ने विभाजन के बाद भी देश की मिट्टी अपनाई यहाँ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दिया और देशभक्ति की मिसाल कायम की है। ऐसे समाज को इस प्रकार किसी विदेशी सुझाव या उपदेश के साथ जोड़कर प्रस्तुत करना गहन रूप से अपमानजनक है। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने आवेदन में यह भी रेखांकित किया कि महाराजा अग्रसेन न केवल अग्रवाल समुदाय के प्रेरणास्रोत हैं बल्कि उनके आदर्श समरसता सेवा और समानता का संदेश देते हैं। किसी भी प्रकार की अभद्र टिप्पणी चाहे सार्वजनिक मंच पर हो या सोशल मीडिया पर समाज के विश्वास और सौहार्द को कमजोर कर सकती है।